दौसा जिले में शैक्षणिक संस्थानों की दशा और दिशाः सामयिक परिदृश्य के आलोक में एक विश्लेषण

*मानसिंह मीना

**डॉ. धर्मेन्द्र सिंह चौहान

प्रस्तावना–

आज वैश्वीकरण के समय में उच्च तकनीकी, उच्च शिक्षा एवं समकालिन शोध की आवश्यकता दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। बढ़ता हुआ जनसंख्या दबाव घटती हुई कृषि भूमि, पर्यावरण, प्रदूषण एवं उच्च स्तर का बढ़ता हुआ भौतिकवाद के कारण उच्च संस्थाओं की महत्ती जरूरत है।

शिक्षा मानव के व्यक्तित्व, चारित्रिक एवं व्यावसायिक जीवनयापन के लिए उपयुक्त साधन है इसके लिए पर्याप्त शिक्षण संस्थाओं की आवश्यकता है। भारत में साक्षरता की दर बढ़ती जा रही है। इसके साथ ही शिक्षण संस्थाओं की संख्या में वृद्धि हो रही है राजस्थानके पूर्वी मैदानी प्रदेश में स्थित शैक्षणिक संस्थानों की संख्या और उनके गुणात्मक स्तर के विश्लेषण करने के लिए इस शीर्षक को चुना है।

अतः वर्तमान समय की मांग है कि शिक्षा का गुणात्मक स्तर की हो एवं शिक्षा व्यावसायिक होनी चाहिए।

अध्ययन क्षेत्र का परिचय

दौसा कस्बा 26ह्54ञ उत्तरी अक्षांश एवं 76ह्21ञ पूर्वी देशान्तर के प्रतिच्छेदन पर स्थित है। पूर्व में यह जयपुर जिले का उपखण्ड मुख्यालय था परन्तु 1991 से यह जिला मुख्यालय है। दौसा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–11 पर जयपुर से 54 कि.मी. तथा रेलमार्ग द्वारा 61 कि.मी. दूर स्थित है। दौसा, आगरा, जयपुर, बांदीकुई, सिकन्दरा, लालसोट व सैंथल से सड़क द्वारा भली–भांति जुड़ा हुआ है।

उद्देश्य–

1. शैक्षणिक संस्थानों के भौगोलिक वितरण का अध्ययन करना।
2. शिक्षण संस्थाओं में शिक्षा के गुणात्मक स्तर का परीक्षण करना।

परिकल्पना–

1. शैक्षणिक संस्थानों की संख्या में वृद्धि से साक्षरता में वृद्धि हुई है।
2. शिक्षण संस्थानों में दूरी बढ़ने से छात्राओं के पंजियन में गिरावट दर्ज की गई है।

विधि–

इसके अन्तर्गत प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकडों विभिन्न सर्वे एवं स्रोतों से प्राप्त कर उपयोग में लाया गया है। क्षेत्र का आगमनात्मक तथा निगमनात्मक विधि के द्वारा अध्ययन है।

प्राथमिक आंकड़ों के चयन से –

अध्ययन में साक्षात्कार, प्रश्नावली, क्षेत्र सर्वेक्षण एवं प्रतिचयन/प्रतिदर्श द्वारा (याद्रच्छिक एवं सौदृश्य प्रतिचयन) आदि द्वारा इकट्ठे किये गये हैं।

द्वितीयक आंकड़ों के चयन से –

अध्ययन क्षेत्र में द्वितीयक आँकड़े स्रोत के रूप में प्रारम्भिक निदेशालय, डीईओ कार्यालय, दौसा, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक निदेशालय, डीईओ, दौसा, कॉलेज निदेशालय, शिक्षा संकुल, जयपुर एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान सरकार, जयपुर से प्राप्त द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर चयन किया गया है।

देश में राजस्थान की कुल साक्षरता 66.1 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों की 79.2 प्रतिशत है और महिलाओं की 52.1 प्रतिशत है। राजस्थान में दौसा जिले की कुल साक्षरता 68.2 प्रतिशत है। जिसमें पुरुषों की 83 प्रतिशत है महिलाओं की 51.9 प्रतिशत है।

प्राथमिक कक्षाओं का नामांकन

दौसा जिले में कुल प्राथमिक विद्यालय की संख्या 2013–14 में 971 थी जो वर्तमान में 2016–17 में बढ़कर 1845 हो गई जिसमें बांदीकुई ब्लॉक में कुल विद्यालय 2013–14 में 372 तथा 2014–15 में 294 थी जो वर्तमान 2016–17 में बढ़कर 362 हो गई जिसमें प्राथमिक विद्यालय 2013–14 में 220 थी जो 2016–17 में 56 रह गई इन विद्यालयों में कुल विद्यार्थी 2013–14 में 8,430 थे जिसमें बालक 3346 और बालिका 4984 है। 2016–17 में कुल नामांकन 4160 का है जिसमें बालक 1710 और बालिका 2450 है लालसोट ब्लॉक में प्राथमिक विद्यालय 2013–14 में 218 थी जो 2016–17 में 415 हो गई जिसमें कुल नामांकन 5816 है जिसमें बालक 2608 और बालिकाएँ 3208 हैं।

सिकराय ब्लॉक में प्राथमिक विद्यालय 2013–14 में 180 थी जिसमें विद्यार्थियों की संख्या 8556 थी जिसमें बालक 3690 तथा बालिका 4866 हैं। जो 2016–17 में 64 रह गई जिनमें कुल विद्यार्थी 4325 है जिसमें बालक 1848 हैं और बालिकाएँ 2477 हैं। दौसा ब्लॉक में 53 प्राथमिक विद्यालय है जिनमें कुल 4392 विद्यार्थी हैं जिसमें बालक 1844 और बालिका 2448 हैं। लवाण ब्लॉक में कुल 41 प्राथमिक विद्यालय हैं जिसमें कुल विद्यार्थी 3105 हैं जिसमें बालक 1312 बालिका 1793 हैं। महुवा ब्लॉक में कुल विद्यालय 59 है जिनमें कुल विद्यार्थी 5036 है जिसमें बालक 2080 बालिका 2956 हैं। जिले में कुल नामांकन 27585 हैं एवं गैर–सरकारी विद्यालयों में नामांकन 73068 है। जिले में प्राथमिक कक्षाओं का नामांकन का अध्ययन करने से स्पष्ट हुआ है कि 2013–14 प्राथमिक विद्यालयों की संख्या अधिक थी और 2016–17 में कम हो गई इसका कारण था कि सरकार द्वारा जिस विद्यालय में विद्यार्थी कम थे उन्हें नजदीकी उच्च प्राथमिक/माध्यमिक में मर्ज कर दिया और नामांकन भी घटा है इसका कारण है कि अभिभावकों की धारणा निजी संस्थानों की ओर अधिक हो गई प्राथमिक विद्यालयों में बालिकाओं का नामांकन अधिक है और बालकों का निजी संस्थानों में इसका कारण यह है कि अभिभावकों का बालकों के प्रति ज्यादा ध्यान देना है। सरकार ने नामांकन सुधार हेतु पोषाहार योजना लागू की जिससे काफी लाभ मिला है।

उच्च प्राथमिक कक्षाओं का नामांकन

बांदीकुई ब्लॉक में उच्च प्राथमिक विद्यालय 2013–14 में 88 थी जिसमें कुल विद्यार्थी 9427 है जिसमें बालक 3368 और बालिका 6059 हैं जो 2016–17 में कुल विद्यालय 66 हैं। जिसमें कुल विद्यार्थी 5025 है जिसमें बालक 1977 बालिका 3048 हैं।

सिकराय ब्लॉक में उच्च प्राथमिक विद्यालय 2013–14 में 92 थी जिसमें कुल विद्यार्थी 10965 है जिसमें बालक 4428 बालिका 6537 है 2016–17 में 64 है जिसमें कुल विद्यार्थी 5102 है जिसमें बालक 2111 बालिका 2991 हैं महुवा ब्लॉक में 59 विद्यालय हैं। जिसमें 4619 हैं। जिसमें बालक 1898 बालिका 2721 हैं दौसा ब्लॉक में 53 विद्यालय हैं जिसमें कुल विद्यार्थी 4744 हैं। जिसमें बालक 1955 बालिका 2789 हैं लालसोट ब्लॉक में 79 विद्यालय हैं जिसमें 7294 विद्यार्थी हैं जिसमें बालक 3488 बालिका 3806 हैं। लवाण ब्लॉक में 41 विद्यालय हैं जिसमें 4110 विद्यार्थी हैं व जिसमें बालक 1759 बालिका 2351 हैं जिले में कुल नामांकन 30690 है तथा गैर सरकारी विद्यालयों में 38307 हैं।

जिले में उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 2013–14 की तुलना में 2016–17 में कम हुई हैं इसका कारण है कि सरकार द्वारा मर्ज कर दी गई और बालकों की अपेक्षा बालिकाओं का नामांकन सरकारी विद्यालयों में अधिक है इसका कारण अभिभावकों का बालिकाओं के प्रति सामाजिक धारणा बनी हुई है। सिकराय ब्लॉक में नामांकन अधिक है इसका कारण है कि अच्छी खेती, अच्छी आर्थिक स्थिति और जागरूकता का होना है और लवाण ब्लॉक में सबसे कम नामांकन है इसका कारण है कि गिरता जल स्तर जिससे खेती का अभाव और आर्थिक स्थिति अच्छी न होना है।

जिले में मिड–डे मील योजना (पोषाहार)

भारत सरकार ने सरकारी विद्यालयों में नामांकन सुधार एवं शिक्षा गुणवत्ता हेतु पोष्टिक पोषाहार योजना प्रारम्भ की थी इसमें दौसा जिले में क्रियान्वयन निम्न है–

ऽखाद्यान्नः–दिनांक 01/04/2017 को समस्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारियों के पास गेहूँ 7537.67 क्विंटल, चावल 1951.05 क्विंटल, कुल खाद्यान्न 9488.72 क्विंटल खाद्यान्न का प्रारम्भिक शेष था। माह जुलाई, 2017 तक समस्त बीईईओ को गेहूँ 10193.10 क्विंटल, चावल 1333.10 क्विंटल कुल 14561.50 क्विंटल खाद्यान्न आवंटित किया गया।

ऽपकाव कर्न्वजन–समस्त ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारियों को माह जून, 2017 तक की पकाव कन्वर्जन की राशि हस्तानान्तरण करवा दी गई है। प्रथम त्रैमासिक माह अप्रैल, 2017 से जून 2017 तक की राशि हेतु मांग पत्र के आधार पर राशि हस्तान्तरण कर दी गई है।

ऽभौतिक प्रगति–जिले के 1566 विद्यालयों में पोषाहार कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

ऽभौतिक सुविधा की उपलब्धता–जिले के पाँचों ब्लॉकों में 1566 विद्यालय जिनमें पोषाहार दिया जा रहा है। उनमें पेयजल व्यवस्था, खाद्यान्न सामग्री तोलने के लिए तराजू उपलब्ध है।

ऽप्रभावी क्रियान्वयन–जिले के 1566 विद्यालय जिनमें पोषाहार दिया जा रहा है उनमें साप्ताहिक मीनू के अनुसार निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न सामग्री उपयोग में ली जा रही है। भोजन बनाने वाले व्यक्तियों का मानदेय सूचना पट्ट पर दर्शाया जाता है।

ऽअन्नपूर्णा महिला सहकारी समिति के माध्यम से क्रियान्वयन–जिले के बांदीकुई ब्लॉक के 7 विद्यालय व महवा ब्लॉक के 13 विद्यालयों के कुल 20 विद्यालयों में 1724 छात्रों को अन्नपूर्णा महिला सहकारी समिति के माध्यम से पोषाहार वितरण किया जा रहा है।

ऽकेन्द्रिय रसोईघर–जिले के किसी भी विद्यालय में केन्द्रिय रसोईघर द्वारा पोषाहार नहीं दिया जा रहा है।

माध्यमिक कक्षाओं का नामांकन

जिले में 2016–17 में माध्यमिक कक्षाओं का कुल नामांकन 34,014 है और गैर–सरकारी विद्यालयों का कुल नामांकन 39,943 है।

बांदीकुई ब्लॉक में कुल माध्यमिक विद्यालय 66 है जिनमें नामांकन 5322 है इनमें 1940 बालक तथा 3382 बालिका है। महुवा

ब्लॉक में कुल विद्यालय 59 है जिनमें कुल नामांकन 4766 है इनमें 1904 बालक एवं 2862 बालिका हैं। सिकराय ब्लॉक में कुल विद्यालय 64 हैं। जिनमें कुल नामांकन 6290 हैं। जिसमें 2603 बालक 3687 बालिका हैं। दौसा ब्लॉक में कुल विद्यालय 53 है जिनमें कुल नामांकन 5762 है जिनमें 2461 बालक तथा 3301 बालिका है लालसोट ब्लॉक में कुल विद्यालय 79 है जिसमें कुल नामांकन 8849 है जिसमें 3761 बालक 5088 बालिका है। लवाण ब्लॉक में कुल विद्यालय 41 है जिसमें कुल नामांकन 4729 हैं जिसमें 1986 बालक तथा 2743 बालिका हैं।

जिले में माध्यमिक विद्यालयों में सरकारी प्रधानाध्यापकों की संख्या 109 है जिसमें 97 पुरुष है तथा 12 महिला हैं। गैर–सरकारी विद्यालयों में 246 है जिसमें 222 पुरुष है तथा 24 महिला हैं। सरकारी विद्यालयों में वरिष्ठ अध्यापक 436 हैं जिसमें 360 पुरुष एवं 76 महिला है। गैर–सरकारी विद्यालयों में 1006 हैं जिनमें 798 पुरुष एवं 206 महिला हैं। सरकारी विद्यालयों में तृतीय श्रेणी अध्यापक 503 हैं जिसमें 419 पुरुष एवं 84 महिला हैं। गैर सरकारी विद्यालयों में 1442 है जिसमें 976 पुरुष एवं 466 महिला हैं।

जिले में सरकारी विद्यालयों की अपेक्षा निजी संस्थानों का नामांकन अधिक है सरकारी विद्यालयों का कम होने का कारण है कि अध्यापकों का अभाव, अभिभावकों की गलत धारणा का होना है और बालकों की अपेक्षा बालिकाओं का नामांकन सरकारी संस्थानों में अधिक है इसका कारण है कि अभिभावकों की धारणा है कि जल्दी शादी करनी है अच्छी शिक्षा देके क्या करेंगे और आर्थिक विकास हेतु बालकों की शिक्षा पर ज्यादा ध्यान देते हैं। सिकराय ब्लॉक में नामांकन अधिक है और बांदीकुई ब्लॉक में भी अधिक है। इसका कारण है कि अच्छी आर्थिक स्थिति का होना है अच्छी फसल की पैदावार का होना है और लोगों में सरकारी नौकरियों की ओर अधिक जोर है तथा लवाण ब्लॉक में कम नामांकन का कारण वहाँ पैदावार अच्छी न होना और कम आर्थिक विकास का होना है।

उच्च माध्यमिक कक्षाओं का नामांकन

जिले में 2016–17 में उच्च माध्यमिक कक्षाओं का कुल नामांकन 24154 हैं और गैर–सरकारी विद्यालयों का कुल नामांकन 35875 हैं। अतः जिले में सरकारी विद्यालयों की अपेक्षा गैर–सरकारी विद्यालयों में नामांकन अधिक है।

बांदीकुई ब्लॉक में कुल उच्च माध्यमिक विद्यालय 66 हैं जिनमें नामांकन 4333 है। इसमें 1969 बालक है तथा 2364 बालिका हैं दौसा ब्लॉक में कुल विद्यालय 53 है जिसमें कुल नामांकन 4945 है इनमें 2716 बालक तथा 2229 बालिका हैं। लालसोट ब्लॉक में कुल विद्यालय 79 हैं जिसमें कुल नामांकन 6232 है इनमें 2950 बालक तथा 3282 बालिका हैं। लवाण ब्लॉक में कुल विद्यालय 41 है इसमें कुल नामांकन 3048 है इनमें 1311 बालक 1737 बालिका है महुवा ब्लॉक में कुल विद्यालय 59 हैं। जिसमें कुल नामांकन 3390 हैं इसमें 1679 बालक तथा 1711 बालिका हैं। सिकराय ब्लॉक में कुल विद्यालय 64 है जिसमें कुल नामांकन 4266 है इनमें 2020 बालक तथा 2246 बालिका है।

जिले में उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्य की संख्या 220 है जिसमें 192 पुरुष 28 महिला हैं। गैर सरकारी विद्यालयों में 229 है जिसमें 205 पुरुष 24 महिला है। सरकारी विद्यालयों में व्याख्याता 932 है जिसमें 796 पुरुष तथा 136 महिला है गैर सरकारी विद्यालयों में 1522 है जिसमें 1313 पुरुष तथा 209 महिला हैं। सरकारी विद्यालयों में वरिष्ठ अध्यापक 691 है जिसमें 590 पुरुष तथा 101 महिला हैं। गैर–सरकारी विद्यालयों में 983 है जिसमें 800 पुरुष 183 महिला हैं। सरकारी विद्यालयों में अध्यापक 1055 है जिसमें 847 पुरुष 208 महिला हैं। गैर–सरकारी विद्यालयों में 1213 है जिनमें 780 पुरुष 433 महिला हैं।

जिले में सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों की अपेक्षा निजी संस्थानों में नामांकन अधिक है। उसका कारण है, कि सरकारी विद्यालयों में स्टॉफ की कमी का होना और निजी संस्थानों में अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा का देना है और लालसोट ब्लॉक व दौसा ब्लॉक में नामांकन अधिक है क्योंकि दौसा जिला मुख्यालय है जहाँ पर विद्यार्थी आगे उच्च अध्ययन हेतु यहाँ आ जाते हैं और यहाँ सभी सुविधाएँ मिल जाती हैं और लालसोट जिला मुख्यालय के नजदीक हैं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में बालिकाओं का नामांकन कम है जिसका कारण है कि इस उम्र में गांवों में विवाह का होना है।

राजकीय आदर्श विद्यालयों में कक्षावार नामांकन

आदर्श माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 1–5 तक नामांकन 4295 हैं जिसमें 1922 छात्र तथा 2373 बालिका है तथा कक्षा 6–8 तक नामांकन 4074 है जिसमें 1699 बालक 2375 बालिका हैं कक्षा 9–10 तक नामांकन 3529 है जिसमें 1441 बालक 2088

बालिका हैं।

आदर्श सीनियर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 1–5 तक 14875 है जिसमें 6472 बालक तथा 8403 बालिका है कक्षा 6–8 तक नामांकन 17883 है जिसमें 8067 बालक 9816 बालिका है कक्षा 9–12 तक नामांकन 39398 है जिसमें 18350 बालक तथा 21048 बालिका हैं।

जिले में राजकीय आदर्श विद्यालयों का नामांकन अन्य सरकारी विद्यालयों से अच्छा है क्योंकि इनमें सरकार द्वारा सभी भौतिक सुविधा उपलब्ध है तथा स्टॉफ भी अच्छा है और इनमें बालिकाओं का नामांकन भी अधिक है।

जिले में सामाजिक वर्ग आधारित नामांकन

जिले में माध्यमिक विद्यालयों में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का नामांकन 8516 है जिसमें 3868 बालक तथा 4648 बालिका है अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों का नामांकन 8920 है जिसमें 3647 बालक 5273 बालिका हैं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों का नामांकन 7248 है जिसमें 2935 बालक तथा 4313 बालिका है। एसबीसी वर्ग में 1477 है जिसमें 506 बालक 971 बालिका है सामान्य वर्ग में नामांकन 1528 हैं जिसमें 574 बालक तथा 954 बालिका हैं।

गैर राजकीय विद्यालयों में अनुसूचित जाति वर्ग का नामांकन 12982 जिसमें 8132 बालक तथा 4850 बालिका हैं। अनुसूचित जनजाति वर्ग का नामांकन 18882 है जिसमें 11923 बालक तथा 6959 बालिका हैं अन्य पिछड़ा वर्ग का नामांकन 20813 है जिसमें 12526 बालक तथा 8267 बालिका हैं। एस.बी.सी. वर्ग का नामांकन 8868 है जिसमें 5570 बालक तथा 3298 बालिका है सामान्य वर्ग का नामांकन 12246 है तथा 7128 बालक 5118 बालिका है। जिले में उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अनुसूचित जाति वर्ग का नामांकन 27176 है जिसमें 13724 बालक तथा 13452 बालिका हैं। अनुसूचित जनजाति वर्ग का नामांकन 25826 है जिसमें 10529 बालक तथा 15297 बालिका हैं। ओबीसी वर्ग का नामांकन 22135 है जिसमें 9860 बालक तथा 12275 बालिका हैं। एसबीसी वर्ग का नामांकन 6698 है जिसमें 2271 बालक 4427 बालिका हैं। सामान्य वर्ग का नामांकन 19254 हैं जिसमें 11215 बालक तथा 8039 बालिका हैं।

गैर–राजकीय विद्यालयों में अनुसूचित जाति वर्ग का नामांकन 18600 है जिसमें 11736 बालक तथा 6864 बालिका है। अनुसूचित जनजाति वर्ग का नामांकन 29679 है जिसमें 19700 बालक तथा 9979 बालिका हैं। ओबीसी वर्ग का नामांकन 32020 है जिसमें 19691 बालक तथा 12329 बालिका है सामान्य वर्ग का नामांकन 19254 है जिसमें 11215 बालक तथा 8039 बालिका है।

जिले में वर्ग आधारित नामांकन का अध्ययन करने से स्पष्ट हुआ है कि सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अन्य वर्गों की अपेक्षा सामान्य वर्ग में नामांकन कम है और बालिकाओं का नामांकन सरकारी विद्यालयों में अधिक है। गैर सरकारी विद्यालयों में सभी वर्गों का नामांकन अधिक हैं तथा बालक नामांकन अधिक है बालिकाओं से और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में बालिकाओं का नामांकन अधिक हैं तथा गैर सरकारी में बालक नामांकन अधिक है तथा ओबीसी वर्ग का नामांकन भी अधिक है।

जिले में कॉलेज स्तर पर नामांकन

जिले में कुल महाविद्यालय 60 है जिसमें सरकारी कॉलेजों की संख्या 8 है जिसमें 2 बालिका महाविद्यालय हैं और सभी निजी महाविद्यालय है और एक स्ववित्तपोषी महाविद्यालय हैं जिनमें कुल नामांकन 31816 हैं जिसमें 16010 छात्र और 15806 छात्राएँ हैं। 31816 कुल नामांकन में से अनुसूचित जाति का नामांकन 3227 छात्र एवं 2625 छात्राओं का नामांकन हैं तथा अनुसूचित जनजाति 4987 छात्र एवं 5817 छात्राओं का नामांकन है ओबीसी का नामांकन 5238 छात्र एवं 4336 छात्राओं का नामांकन है अल्पसंख्यक नामांकन 168 छात्र तथा 159 छात्राओं का हैं सामान्य वर्ग का नामांकन 2390 छात्र तथा 2869 छात्राओं का है।

राजकीय महाविद्यालय दौसा में नामांकन बी.ए. प्रथम वर्ष में 2784 है तथा द्वितीय वर्ष में 1720 तथा तृतीय वर्ष में 1615 है और स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र 40, इतिहास 40, अंग्रेजी 40 हैं और गर्ल्स महाविद्यालय दौसा में बी.ए. प्रथम वर्ष में कुल नामांकन 560 है तथा बीकॉम में 80 हैं और बीएससी जीव विज्ञान में 35 और बीएससी गणित में 35 हैं और राजकीय महाविद्यालय लालसोट में बीए प्रथम वर्ष में 400 तथा बीकॉम में 55, बीएससी जीव विज्ञान में 70 और गणित में 70 हैं, और सिकराय कॉलेज में 415 है तथा

बांदीकुई कॉलेज में 684 हैं।

वर्ग आधारित नामांकन का अध्ययन करने से स्पष्ट हुआ है कि अनुसूचित जाति वर्ग और सामान्य वर्ग के लड़कों की अपेक्षा बालिकाओं का नामांकन अधिक हैं राजकीय महाविद्यालयों में अन्य वर्ग की अपेक्षा और बालिकाओं का नामांकन स्नातक स्तर पर कम है क्योंकि इस स्तर पर आने तक विवाह हो जाता हैं जो कई कारणों से अध्ययन छोड़ देती हैं।

निष्कर्ष एवं सुझाव

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि शैक्षणिक संस्थानों की संख्या में वृद्धि से साक्षरता में वृद्धि तो हुई है। लेकिन भौतिक सुविधाओं की कमी से निजी संस्थानों में नामांकन अधिक है और संस्थानों की दूरी बढ़ने से बालिका नामांकन में गिरावट दर्ज की गई अतः सुझाव निम्न हैं–

ऽसरकारी विद्यालयों में सभी भौतिक सुविधा उपलब्ध हो जिससे नामांकन में वृद्धि हो।

ऽबालिकाओं हेतु कम दूरी पर विद्यालय हो जिससे बालिकाओं के नामांकन में वृद्धि हो।

ऽबालिकाओं का विवाह निर्धारित आयु में ही हो जिससे नामांकन में कमी ना हो।

***शोधार्थी, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर**

****प्रधान, भूगोल विभाग, राजस्थान यूनिर्वसिटी, जयपुर**

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. प्रारम्भिक निदेशालय, डीईओ कार्यालय, दौसा।
2. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक निदेशालय, डीईओ, दौसा।
3. कॉलेज निदेशालय, शिक्षा संकुल, जयपुर।
4. सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान सरकार, जयपुर।